संपादकीय

समाज हो या प्रशासन शिक्षकों से बड़ी-बड़ी अपेक्षाएं सभी करते हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए शिक्षकों को चाहिए कई तरह का समर्थन और सहयोग ताकि वे कक्षा में कुछ नया कर सकें। 'संदर्भ' शिक्षक साथियों की ओर सहयोग का हाथ बढ़ाने की एक छोटी-सी कोशिश है।

'संदर्भ' एक द्वैमासिक पत्रिका है, जिसका प्रकाशन मानव संसाधन मंत्रालय के एक प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा है। हमारा प्रमुख उद्देश्य माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को विज्ञान और अन्य जुड़े हुए शैक्षिक मुद्दों पर ऐसी सामग्री उपलब्ध करवाना है जिसका उपयोग शिक्षण कार्यों में हो सके।

संदर्भ जैसी पत्रिका का प्रकाशन 'एकलव्य' संस्था के लिए एक तरह से अवश्यंभावी था। प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमों में नवाचार के साथ-साथ पाठ्य-पुस्तक लेखन एवं शिक्षकों को प्रशिक्षण देना एकलव्य का प्रमुख

कार्य रहा है। एकलव्य के कार्यक्रम म. प्र. के 500 स्कूलों में चल रहे हैं। म.प्र. तथा प्रदेश से बाहर भी शिक्षकों एवं शिक्षा से जुड़े बहुत से समूहों ने इन प्रयासों में रुचि दिखाई है। हमने यह महसूस किया कि नवाचारों की कोशिशों को लेकर उन शिक्षकों के साथ भी ज़रूर संवाद करना चाहिए जो इन कार्यक्रमों के दायरे से बाहर हैं। इस तरह एकलव्य के प्रकाशनों की कड़ी में बाल-विज्ञान पत्रिका 'चकमक' और विज्ञान फीचर सेवा 'स्रोत' के साथ-साथ अब 'संदर्भ' भी जुड़ गया है।

प्रवेशांक में विषय सामग्री का चयन करते समय हम ने एक ओर जहां यह प्रयास किया है कि पाठ्यक्रम के विषयों को विस्तार और गहराई से समझा जाए, वहीं दूसरी ओर कुछ रुचिकर गतिविधियों, प्रयोगों एवं साहित्यिक सामग्री का भी समावेश किया गया है। इसके अलावा कक्षा में शिक्षकों के अनुभवों, अवलोकनों एवं विश्लेषणों पर भी हमने अपना ध्यान केंद्रित किया है।

संदर्भ के माध्यम से हम एक ऐसा मंच तैयार करना चाहते हैं जहां से शिक्षक और शिक्षा में रुचि रखने वाले अन्य सब अपने विचार, अनुभव और नए प्रयोग सबके सामने रख सकें। यह अंक इस दिशा में एक प्रारंभिक-सा प्रयास है। अगले अंको का रूप निखारने के लिए हमें आपके सहयोग की भी ज़रूरत है। किन विषयों पर गतिविधियां या प्रयोग सामग्री जुटाई जाए? कौन से विषय ऐसे हैं जिन्हें विस्तार से समझाने की ज़रूरत महसूस होती है। अगर इस सबके बारे में बता पाएं तो बहुत मदद मिलेगी।

और फिर आपके पास भी तो अनुभवों का एक खज़ाना है ही! उन्हें भी आप लिख भेजेंगे न...?

संपादक मंडल

संदर्भ